पत्रिका

## संविधान दिवस: निजी, सरकारी स्कूलों, नेपा मिल की ओर से दी गई बाबा साहेब को श्रद्धांजलि

# 26 नवंबर 1949 का दिन स्वतंत्र भारत के लिए महत्वपूर्ण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

संविधान दिवस पर जिलेभर में जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्कूल, कॉलेज, निजी, सरकारी संस्थाओं में समारोह का आयोजन हुआ। संविधान दिवस पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। लेकिन 2 महीने बाद यानी की 26 जनवरी 1950 को इसे पूरी तरह से लागू किया।

### बाबा साहेब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

**नेपानगर.** केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक के नेतृत्व में अफसर कर्मियों ने डॉक्टर अंबेडकर चौराहे पर स्थित संविधान निर्माता बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और संविधान निर्माण में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया। निदेशक वित्त नाइक ने कहा 26 नवंबर 1949 का दिन स्वतंत्र भारत के लिए इतिहास का एक अति महत्वपूर्ण दिन था। इसी दिन कई चर्चाओं और संशोधनों के बाद संविधान सभा ने संविधान को अंतिम रूप दिया था और भारत के संविधान को अंगीकृत किया गया था। वहीं संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती पर वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस मनाए जाने की शुरुआत की थी।

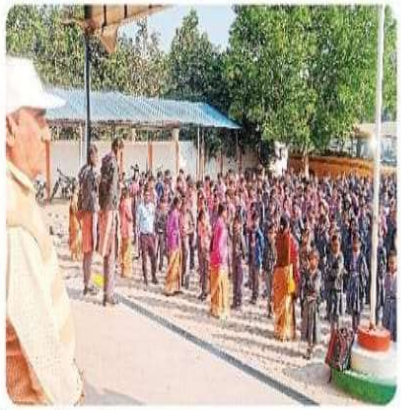

प्रतिमा पर किया माल्यार्पण। बच्चों को बताया संविधान दिवस का महत्व।

जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। लेकिन 2 महीने बाद यानी की 26 जनवरी 1950 को इसे पूरी तरह से लागू किया गया था। इन दो महीनों के बीच में संविधान का अंग्रेजी और हिंदी में अनुवाद करने के साथ ही इसका आम जनता के बीच में प्रचार किया गया था। संविधान सभा ने इसको अंतिम रूप देने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन का समय लिया था। इस दौरान संविधान सभा की कुल 166 बैठकें हुई थीं। भारत का संविधान देश के शासन और नागरिकों के अधिकारों का आधारभूत दस्तावेज हैं। इसमें उन सभी मूल्यों और सिद्धांतों को शामिल किया गया हैं, जिन पर भारत देश आधारित हैं। वास्तव में संविधान दिवस सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि हमारे देश के सबसे अहम दस्तावेज यानी की संविधान को याद करने का दिन हैं। संविधान को बनाने में डॉ. भीमराव अंबेडकर का अहम योगदान रहा हैं। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में काम किया था।

कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक विपणन प्रशांत कुमार बैथालू, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, प्रबंधक पेपर मशीन एके त्यागी, सहायक प्रबंधक पावर हाउस अनिल करोले, सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी, उमाशंकर द्विवेदी, रमेश तायड़े, दीपक सिंह ठाकुर, आशुतोष मिश्रा, डीपी मिश्रा, मुकेश चौहान, उमेश सोनी आदि मौजूद थे।

### दी बुद्धिस्ट सोसायटी ने मनाया संविधान दिवस

**नेपानगर.** दी बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया शाखा नेपानगर व माता रमाई महिला संघ, बाबा साहेब अंबेडकर सामाजिक एकता मंच के तत्वावधान में संविधान दिवस मनाया गया। डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा वंदना की गई। केंद्रीय शिक्षक प्रकाश खैरनार द्वारा संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस दौरान अध्यक्ष विनोद बाविस्कर, कोषाध्यक्ष भास्कर मेढ़े, अशोक गायकवाड़, इंजीनियर किशोर तायड़े, गौतम सोनवने, सिद्धार्थ शिंदे, पांडुरंग मिसाल, शांताराम जाधव, दगडू चूंचेकर, विजय विनकर आदि मौजूद थे।

### बुरहानपुर में कई स्थानों पर हुए कार्यक्रम

**बुरहानपुर.** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संविधान दिवस के उपलक्ष में ग्रामीण क्षेत्र शाहपुर के सीएम राइस स्कूल, आईटी कॉलेज बुरहानपुर एवं शासकीय छत्रपति शिवाजी महाराज कॉलेज व स्वरोजगार विभाग के अंतर्गत चारों जगह संविधान दिवस मनाया।

जिला विधिक सहायता जयदेव माणिक ने बताया कि पैरालिगल वालंटियर एवं कुटुंब न्यायालय परामर्शदाता महेंद्र जैन ने भारत का संविधान उद्देशिका का वाचन किया। इस अवसर पर समस्त कॉलेज एवं स्कूल के प्राचार्यगणों के साथ साथ छात्र एवं छात्रा व समस्त स्टाफ मौजूद था।

दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 27-11-2024

संविधान दिवस • नेपा लिमिटेड के अफसर, कर्मियों ने आंबेडकर चौराहे पर पहुंचकर दी बाबा साहब को श्रद्धांजलि

# संविधान निर्माण बाबा साहब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने मंगलवार को संविधान दिवस मनाया। निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक के नेतृत्व में अफसर, कर्मियों ने नगर के डॉ. आंबेडकर चौराहे पर स्थित संविधान निर्माता बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और संविधान निर्माण में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया।

निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक ने कहा- 26 नवंबर 1949 का दिन स्वतंत्र भारत के लिए इतिहास का एक अति महत्वपूर्ण दिन था। इसी दिन कई चर्चाओं और संशोधनों के बाद संविधान सभा ने संविधान को अंतिम रूप दिया था और भारत के संविधान को अंगीकृत किया गया था। वहीं संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस मनाने की शुरुआत की थी। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य देश के नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था और जागरूकता को बढ़ाना है। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। लेकिन 2 महीने बाद यानी की 26 जनवरी 1950 को इसे पूरी तरह से लागू किया गया था। इन दो महीनों के बीच में संविधान का अंग्रेजी और हिंदी में अनुवाद करने के साथ ही इसका आमजनता के बीच में प्रचार करने में किया गया था। संविधान सभा ने इसको अंतिम रूप देने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन का समय लिया था। इस दौरान संविधान सभा की कुल 166 बैठके हुई थीं। भारत का संविधान देश के शासन और नागरिकों के अधिकारों का आधारभूत दस्तावेज है। इसमें उन सभी मूल्यों और सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जिन पर भारत देश आधारित है। वास्तव में संविधान दिवस सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि हमारे देश के सबसे अहम दस्तावेज यानी की संविधान को याद करने का दिन है। संविधान को बनाने में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का अहम योगदान रहा है। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में काम किया था। संविधान हमें बताता है कि सरकार कैसे चलेगी और हमारे पास देश के नागरिक के तौर पर क्या अधिकार हैं। संविधान हमारे देश को लोकतांत्रिक देश बनाता है जहां पर सभी को बराबरी का हक मिलता है। इस अवसर पर निदेशक वित्त द्वारा संविधान के उद्देशिका का वाचन किया गया और सभी को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई गई। संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया और आभार सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी ने माना। कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक विपणन प्रशांत कुमार बैथालू, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, प्रबंधक पेपर मशीन एके त्यागी, सहायक प्रबंधक पावर हाउस अनिल करोले, सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी, उमाशंकर द्विवेदी, रमेश तायड़े, दीपक सिंह ठाकुर, आशुतोष मिश्रा, डीपी मिश्रा, मुकेश चौहान, उमेश सोनी, ललित मोहन कुलश्रेष्ठ, श्याम खोवाल, काजोल बुग्गीवाला, संदीप माले, पंकज मराठे, मीत भट्ट, तारिणी नागवंशी सहित कई अफसर कर्मी मौजूद थे।

मिल अफसर, कर्मचारियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

# नेपा लिमिटेड ने मनाया संविधान दिवस नगर के अंबेडकर चौराहे पर डॉ.बाबासाहेब जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

**दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर।** भारत सरकार के दिशा निर्देशन और सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक के नेतृत्व में अफसर कर्मियों ने नगर के डॉक्टर अंबेडकर चौराहे पर स्थित संविधान निर्माता बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और संविधान निर्माण में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया। निदेशक वित्त प्रदीप कुमार नाइक ने कहा 26 नवंबर 1949 का दिन स्वतंत्र भारत के लिए इतिहास का एक अति महत्वपूर्ण दिन था। इसी दिन कई चर्चाओं और संशोधनों के बाद संविधान सभा ने संविधान को अंतिम रूप दिया था और भारत के संविधान को अंगीकृत किया गया था। वहीं संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस मनाए जाने की शुरूआत की थी। इस दिन को मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य देश के नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था और जागरूकता को बढ़ना है। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। लेकिन 2 महीने बाद यानी की 26 जनवरी 1950 को इसे पूरी तरह से लागू किया गया था। इन दो महीनों के बीच में संविधान का अंग्रेजी और हिंदी में अनुवाद करने के साथ ही इसका आम जनता के बीच में प्रचार करने में किया गया था। संविधान सभा ने इसको अंतिम रूप देने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन का समय लिया था। इस दौरान संविधान सभा की कुल 166 बैठकें हुई थीं।भारत का संविधान देश के शासन और नागरिकों के अधिकारों का आधारभूत दस्तावेज है। इसमें उन सभी मूल्यों और सिद्धांतों को शामिल किया गया है,जिन पर भारत देश आधारित है। वास्तव में संविधान दिवस सिर्फ एक दिन नहीं,बल्कि हमारे देश के सबसे अहम दस्तावेज यानी की संविधान को याद करने का दिन है। संविधान को बनाने में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अहम योगदान रहा है। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में काम किया था। संविधान हमें बताता है कि सरकार कैसे चलेगी और हमारे पास देश के नागरिक के तौर पर क्या अधिकार हैं। संविधान हमारे देश को लोकतांत्रिक देश बनाता है,जहां पर सभी को बराबरी का हक मिलता है। इस अवसर पर निदेशक वित्त द्वारा संविधान के उद्देशिका का वाचन किया गया और सभी को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया और आभार सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी ने माना। कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक विपणन प्रशांत कुमार बैथालू, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, प्रबंधक पेपर मशीन एके त्यागी,सहायक प्रबंधक पावर हाउस अनिल करोले, सहायक प्रबंधक विपणन प्रशांत सोनी, उमाशंकर द्विवेदी, रमेश तायड़े,दीपक सिंह ठाकुर,आशुतोष मिश्रा,डीपी मिश्रा, मुकेश चौहान,उमेश सोनी,ललित मोहन कुलश्रेष्ठ,श्याम खोबाल,काजोल बुग्गीवाला,संदीप माले,पंकज मराठे, मीत भट्ट,तारिणी नागवंशी सहित कई अफसर कर्मी उपस्थित थे।